

0345-0407 - Iohannes Chrysostomus - Precatio in obsessos

This text belongs to the [Thesaurus Linguae Graecae](#) (TLG®), a Research Center at the [University of California, Irvine](#), which digitized it and owns the relevant ©Copyright. On May 15, 2008, Prof. M. [Pantelia](#), the Director of the Center, has expressly authorized www.documentacatholicaomnia.eu to post it into our site.

Cooperatorum Veritatis Societas thanks the prof. Pantelia, the Center, and the University of California, Irvine, of having granted the opportunity to make publicly available this text of high quality, serial number '2062 368'.

Charset and format of the text have been changed in order to make it possible the computation of analytic indexes and concordances. [Analytical indexes](#) and [concordances](#) have been made by the Cooperatorum Veritatis Societas.

Precatio in obsessos SUPPLEMENTUM AD LITURGIAM S. CHRYSOSTOMI.

[00001] Εὐχή τοῦ Χρυσοστόμου πρὸς τοὺς πάσχοντας ὑπὸ δαιμόνων, καὶ ἐκάστην ἀσθένειαν.

64.1061

[00002] Τοῦ Κυρίου δεηθῶμεν.

[00003] Ὁ Θεὸς ὁ αἰώνιος, ὁ λυτρωσάμενος τὸ γένος τῶν ἀνθρώπων ἐκ τῆς αἰχμαλωσίας τοῦ διαβόλου, ῥύσαι τὸν δούλον σου τόνδε ἀπὸ πάσης ἐνεργείας πνευμάτων ἀκαθάρτων, ἐπίτασον τοῖς πονηροῖς καὶ ἀκαθάρτοις πνεύμασι τε καὶ δαίμοσιν, ἀποστήναι τῆς ψυχῆς καὶ τοῦ σώματος τοῦ δούλου σου τοῦδε, καὶ μὴ ἐμμένειν μηδὲ ἐγκρύπτεσθαι ἐν αὐτῷ.

[00004] Φυγαδευθεῖσαν ἐν τῷ ὀνόματί σου τῷ ἁγίῳ, καὶ τοῦ μονογενοῦς σου Υἱοῦ, καὶ τοῦ ζωοποιῦ σου Πνεύματος ἀπὸ τοῦ πλάσματος τῶν χειρῶν σου.

[00005] Ἵνα καθαρισθεῖς ἀπὸ πάσης ἐπηρείας διαβολικῆς, ὀσίως, καὶ δικαίως, καὶ εὐσεβῶς ζήση, ἀξιούμενος τῶν ἀχράντων μυστηρίων τοῦ μονογενοῦς σου Υἱοῦ καὶ Θεοῦ ἡμῶν, μεθ' οὗ εὐλόγητός εἶ καὶ δεδοξασμένος σὺν τῷ παναγίῳ, καὶ ἀγαθῷ, καὶ ζωοποιῷ σου Πνεύματι, νῦν καὶ ἀεὶ, καὶ εἰς τοὺς αἰῶνας τῶν αἰώνων.

[00006] Ἀμήν.

[00007] ἀὰ

© 2006 Cooperatorum Veritatis Societas quoad hanc editionem iura omnia asservantur.
0345-0407 - Iohannes Chrysostomus - Precatio in obsessos
Litterarum Omnium Conspectus: 69 Litterae, quae repetitae sunt in 698 occasionibus

| | | | | | |
|---|------|----|---|------|---|
| α | 0945 | 53 | A | 0913 | 0 |
| β | 0946 | 3 | B | 0914 | 0 |
| γ | 0947 | 10 | Γ | 0915 | 0 |
| δ | 0948 | 14 | Δ | 0916 | 0 |
| ε | 0949 | 33 | E | 0917 | 1 |
| ζ | 0950 | 3 | Z | 0918 | 0 |
| η | 0951 | 10 | H | 0919 | 0 |
| θ | 0952 | 11 | Θ | 0920 | 2 |
| ι | 0953 | 19 | I | 0921 | 0 |
| κ | 0954 | 23 | K | 0922 | 1 |
| λ | 0955 | 8 | Λ | 0923 | 0 |
| μ | 0956 | 25 | M | 0924 | 0 |
| ν | 0957 | 56 | N | 0925 | 0 |

| | | | | | |
|---|------|----|---|------|---|
| ξ | 0958 | 3 | Ξ | 0926 | 0 |
| ο | 0959 | 62 | Ο | 0927 | 0 |
| π | 0960 | 20 | Π | 0928 | 2 |
| ρ | 0961 | 15 | Ρ | 0929 | 0 |
| ς | 0962 | 34 | • | 0930 | 0 |
| σ | 0963 | 32 | Σ | 0931 | 0 |
| τ | 0964 | 44 | Τ | 0932 | 1 |
| υ | 0965 | 20 | Υ | 0933 | 2 |
| φ | 0966 | 0 | Φ | 0934 | 1 |
| χ | 0967 | 6 | Χ | 0935 | 1 |
| ψ | 0968 | 1 | Ψ | 0936 | 0 |
| ω | 0969 | 13 | Ω | 0937 | 0 |
| ϑ | 8164 | 0 | | | 0 |
| ϑ | 8165 | 1 | Ρ | 8172 | |

| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|------|----|---|------|---|------|------|---|------|------|----|---|------|------|----|------|------|---|------|---|
| ά | 8049 | 10 | έ | 8051 | 4 | ή | 8053 | 2 | ί | 8055 | 14 | ό | 8057 | 6 | ύ | 8059 | 6 | ώ | 8061 | 4 |
| ὰ | 8048 | 2 | ἐ | 8050 | 1 | ἦ | 8052 | 2 | ἰ | 8054 | 17 | ὀ | 8056 | 9 | ὕ | 8058 | 3 | ὠ | 8060 | 0 |
| ἄ | 8118 | 0 | | 0 | ἦ | 8134 | 5 | ἱ | 8150 | 2 | | 0 | ὕ | 8166 | 19 | ῶ | 8182 | 9 | | |
| ἄ | 7936 | 12 | ἐ | 7952 | 8 | ἦ | 7968 | 0 | ἰ | 7984 | 5 | ὀ | 8000 | 1 | ὕ | 8016 | 4 | ὠ | 8032 | 0 |
| ἄ | 7937 | 1 | έ | 7953 | 1 | ή | 7969 | 1 | ί | 7985 | 2 | ό | 8001 | 3 | ύ | 8017 | 1 | ώ | 8033 | 0 |
| ἄ | 7938 | 0 | ἐ | 7954 | 0 | ἦ | 7970 | 0 | ἱ | 7986 | 0 | ὀ | 8002 | 0 | ὕ | 8018 | 0 | ὠ | 8034 | 0 |
| ἄ | 7939 | 0 | έ | 7955 | 0 | ή | 7971 | 0 | ί | 7987 | 0 | ό | 8003 | 0 | ύ | 8019 | 0 | ώ | 8035 | 0 |
| ἄ | 7940 | 0 | ἐ | 7956 | 0 | ἦ | 7972 | 0 | ἱ | 7988 | 0 | ὀ | 8004 | 0 | ὕ | 8020 | 0 | ὠ | 8036 | 0 |
| ἄ | 7941 | 0 | έ | 7957 | 0 | ή | 7973 | 0 | ί | 7989 | 0 | ό | 8005 | 0 | ύ | 8021 | 0 | ώ | 8037 | 0 |
| ἄ | 7942 | 0 | | 0 | ἦ | 7974 | 0 | ἱ | 7990 | 1 | | 0 | ὕ | 8022 | 0 | ῶ | 8038 | 0 | | |
| ἄ | 7943 | 0 | | 0 | ἦ | 7975 | 0 | ἱ | 7991 | 0 | | 0 | ὕ | 8023 | 1 | ῶ | 8039 | 0 | | |
| ἄ | 8064 | 0 | | 0 | ἦ | 8080 | 0 | | 0 | | 0 | | ὕ | 8167 | 0 | ῶ | 8096 | 0 | | |
| ἄ | 8065 | 0 | | 0 | ἦ | 8081 | 0 | | 0 | | 0 | | ὕ | 8163 | 0 | ῶ | 8097 | 0 | | |
| ἄ | 8066 | 0 | | 0 | ἦ | 8082 | 0 | | 0 | | 0 | | | | 0 | ῶ | 8098 | 0 | | |
| ἄ | 8067 | 0 | | 0 | ἦ | 8083 | 0 | | 0 | | 0 | | | | 0 | ῶ | 8099 | 0 | | |
| ἄ | 8068 | 0 | | 0 | ἦ | 8084 | 0 | | 0 | | 0 | | | | 0 | ῶ | 8100 | 0 | | |
| ἄ | 8069 | 0 | | 0 | ἦ | 8085 | 0 | | 0 | | 0 | | | | 0 | ῶ | 8101 | 0 | | |

| | | | | | | | | | | | | | | |
|---|------|---|---|---|------|---|---|---|---|---|---|---|------|---|
| ἄ | 8070 | 0 | 0 | ἦ | 8086 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | ῶ | 8102 | 0 |
| ἄ | 8071 | 0 | 0 | ἦ | 8087 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | ῶ | 8103 | 0 |
| α | 8115 | 0 | 0 | η | 8131 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | ω | 8179 | 2 |
| ά | 8116 | 0 | 0 | ή | 8132 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | ώ | 8180 | 0 |
| ἄ | 8119 | 0 | 0 | ἦ | 8135 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | ῶ | 8183 | 6 |

Ceterae infrequentes vel rarissimae Litterae expositae non sunt

© 2006 Cooperatorum Veritatis Societas quoad hanc editionem iura omnia asservantur.
0345-0407 - Iohannes Chrysostomus - Precatio in obsessos
Verborum Omnium Conspectus: 92Verba, quae repetita sunt in 3,666,718 occasionibus

ἄά [00007]
ἀγαθῶ [00005]
ἀγίω [00004]
ἀεὶ [00005]
αἰχμαλωσίας [00003]
αἰώνας [00005]
αἰώνιος [00003]
αἰώνων [00005]
ἀκαθάρτοις [00003]
ἀκαθάρτων [00003]
Ἀμὴν [00006]
ἀνθρώπων [00003]
ἀξιούμενος [00005]
ἀποστήναι [00003]
ἀσθένειαν [00001]
αὐτῶ [00003]
ἀχράντων [00005]

γένος [00003]

δαιμόνων [00001]
δαίμοσιν [00003]
δεδοξασμένος [00005]
δεηθώμεν [00002]
διαβολικῆς [00005]
διαβόλου [00003]
δικαίως [00005]
δούλον [00003]
δούλου [00003]

ἐγκρύπτεσθαι [00003]
εἶ [00005]
εἰς [00005]
ἐκ [00003]
ἐκάστην [00001]
ἐμμένειν [00003]
ἐν [00003] [00004]
ἐνεργείας [00003]
ἐπηρείας [00005]
ἐπίταξον [00003]
εὐλογητός [00005]
εὐσεβῶς [00005]
Εὐχή [00001]

ζήση [00005]
ζωοποιῶ [00004]
ζωοποιῶ [00005]

ἡμῶν [00005]

Θεὸς [00003]
Θεοῦ [00005]

Ἰνα [00005]

καθαρισθεῖς [00005]
Κυρίου [00002]

λυτρωσάμενος [00003]

μεθ [00005]
 μηδὲ [00003]
 μονογενούς [00004] [00005]
 μυστηρίων [00005]

νῦν [00005]

ὁ [00003] [00003]
 Ὁ [00003]
 ὀνόματι [00004]
 ὀσίως [00005]
 οὐ [00005]

παναγίῳ [00005]
 πάσης [00003] [00005]
 πάσχοντας [00001]
 πλάσματος [00004]
 πνεύμασι [00003]
 Πνεύματι [00005]
 Πνεύματος [00004]
 πνευμάτων [00003]
 πονηροῖς [00003]
 πρὸς [00001]

ῥῆσαι [00003]

σου [00003] [00003] [00004] [00004] [00004] [00004] [00005] [00005]
 σὺν [00005]
 σώματος [00003]

τε [00003]
 τῆς [00003] [00003]
 τὸ [00003]
 τοῖς [00003]
 τὸν [00003]
 τόνδε [00003]
 Τοῦ [00002]
 τοῦ [00001] [00003] [00003] [00003] [00004] [00004] [00004] [00005]
 τοῦδε [00003]
 τοῦς [00001] [00005]
 τῶ [00004] [00004] [00005]
 τῶν [00003] [00004] [00005] [00005]

Υἱοῦ [00004] [00005]
 ὑπὸ [00001]

Φυγαδευθείησαν [00004]

χειρῶν [00004]
 Χρυσοστόμου [00001]

ψυχῆς [00003]